



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 9 अक्टूबर, 2002/17 अश्विन, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

शिमला, 8 अक्टूबर, 2002

क्रमांक पी० सी० एच०-एस० एम० एल० ९/२०००.—एन्ड्रॉर श्री राम दत्तान, उप-प्रधान ग्राम पंचायत धूमून विकास खण्ड, मशोवरा तहसील व ज़िला शिमला (हि० प्र०) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज्य अधिनिदस, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (छ) के प्रावधान की ओर आकर्पित किया जाता है, जो निम्नतः है :—

कोई व्यक्ति पंचायत का पदाधिकारी चुने जाने दा होने के निए निरहित होगा, “यदि वह पंचायत दा किसी स्थानीय प्राधिकरण या सहकारी सोसायटी अथवा राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार के नियन्त्रण-धीन किसी पब्लिक सेक्टर उपक्रम के नियोजन या सेवा में है।”

**स्पष्टीकरण :**—इस खण्ड के प्रयोजन के लिए पद “सेवा” या “नियोजन” के अन्तर्गत पुर्णकालिक, अंशकालिक, आकस्मिक, दैनिक या संविदा पर नियुक्त, रखे गए या नियोजित व्यक्ति हैं।

क्योंकि उक्त श्री राम दयाल, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत धर्मन के विरुद्ध प्राप्त शिकायत पत्र की प्रारम्भिक छानवोनी खण्ड विकास अधिकारी, भूमोद्धरा के माध्यम से करवाई गई तथा उनकी छानवीन रिपोर्ट के नाय प्राप्त वत मण्डल अधिकारी, वन मण्डल शिमला की सूचना अनुमार यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि श्री राम दयाल, ग्राम पंचायत, धर्मन के उप-प्रधान पद पर रहते हुए वर्ष 1-1-1995 से वन विभाग शिमला मण्डल में भी बौतीर दैनिक मोगी मन्दूर कार्यस्थल रहा है, जिस कारण श्री राम दयाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ष) के प्रावधान अनुमार ग्राम पंचायत धर्मन में उप-प्रधान पद पर बने रहने के लिए निर्विहित पारे गये हैं।

अतः मैं, पी० सी० कटोच, उपायकृत, शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (2) के अन्तर्गत प्रश्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा श्री राम दयाल उप-प्रधान ग्राम पंचायत धर्मन, तहसील व जिला शिमला (हि० प्र०) को उन्हें अपना पक्ष प्रस्तुत करने के अवसर प्रदान करते हुए नारण बताओ नोटिस जारी करता हूं कि वे इस कारण बनाओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना उत्तर दिखाएँ; रूप में अवगत व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होनेर अद्याहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुमार उनके पद से हटा कर ग्राम पंचायत धर्मन के उप-प्रधान पद को रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित प्रवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहा है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध उक्त प्रधिनियम के प्रावधान अनुसार एक दरका कार्रवाई अमल में लाकर ग्राम पंचायत, धर्मन का उप-प्रधान पद रिक्त घोषित कर दिया जाएगा।

पी० सी० कटोच,  
उपायकृत,  
शिमला, जिला शिमला (हि० प्र०)।